

खबर संक्षेप

अब मतदाता 30 सितंबर तक दर्ज करा सकेंगे दावे और आपत्तियां

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिला के मतदाताओं को वोटर लिस्ट से जुड़ी किसी भी प्रकार की त्रुटि दुरुस्त कराने का मौका दिया है। एसआईआर अभियान के तहत संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। जिसके चलते अब मतदाता किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए आगामी 30 सितंबर तक दावे व आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि बिना किसी ठोस कारण के किसी का वोट नहीं कटेगा, अगर किसी वोटर को नोटिस प्राप्त होता है तो निर्धारित समय अवधि में अपना जबाब दाखिल करें।

स्टेज कैरिज परमिट के लिए 30 तक करें आवेदन

बहादुरगढ़। डीटीओ एवं आरटीए सचिव रविश हड्डा ने बताया कि झज्जर जिले के अंतर्गत अधिसूचित मार्गों पर परमिट के लिए इच्छुक आवेदक 1 से 30 सितंबर तक आवेदन जमा कर सकते हैं। उनके अनुसार 7 मार्च 2024 को संशोधित स्टेज कैरिज योजना व 26 अगस्त 2026 को जारी परिवहन आयुक्त हरियाणा के पत्र के अनुपालन में स्टेज कैरिज परमिट के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 9 बजे से सायं 5 बजे तक निर्धारित प्रपत्र एचआर नंबर 22 में आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। साथ ही 25 हजार रुपये की गैर-वापसी योग्य निर्धारित फीस भी जमा करवानी होगी।

वैश्य कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी कल

बहादुरगढ़। अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में सोमवार को महाराजा अग्रसेन की लोकतांत्रिक व्यवस्था: वर्तमान प्रासंगिकता विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। प्रिंसिपल डॉ. राजवंती शर्मा ने बताया कि महाराजा अग्रसेन की लोकतांत्रिक चेतना, समतामूलक दृष्टि एवं लोककल्याणकारी विचारधारा आज भी सामाजिक एवं राष्ट्रीय जीवन के लिए प्रेरणास्रोत है। इन्हीं मूल्यों के समकालीन संदर्भों पर सार्थक विमर्श के उद्देश्य से आयोजित इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से विद्वान, शिक्षाविद एवं शोधार्थी भाग लेंगे।

बादली महाविद्यालय में रक्तदान शिविर एक को बहादुरगढ़। बादली के चौधरी धीरपाल राजकीय महाविद्यालय की स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने की खुशी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. नवीन मलिक के अनुसार रक्तदान शिविर मंगलवार 1 सितंबर को प्रातः 10 बजे शुरू होगा। प्राचार्य आनंद काद्याण ने बताया कि एम्स बाढ़सा की टीम महाविद्यालय में रक्त लेने आएगी।

चुनाव

झज्जर बार एसो. चुनाव में पहले दिन 3 अधिवक्ताओं ने भरा नामांकन

हरिभूमि न्यूज►झज्जर

बार एसोसिएशन झज्जर में वार्षिक चुनाव 2026-27 के लिए नॉमिनेशन फॉर्म भरने की तिथि 29 व 31 अगस्त निर्धारित की गई है। चुनाव अधिकारी राम कुंवार वर्मा, कृष्ण सुहाग, सुंदर सिंह खंडेलवाल, सुनील कोडान, सुखवीर कादियान, राकेश पुनिया, रविंद्र कौशिक, प्रवेश छिक्कारा, खुशी लाल आदि अधिवक्ताओं की देख रेख में आगामी 11 सितंबर को आयोजित बार चुनाव के लिए नॉमिनेशन फॉर्म भरने का शनिवार को पहला दिन रहा। पहले दिन उप-प्रधान दल, महिला अधिवक्ता के आरक्षित सह

बाबा गाजीकमाल मंदिर के नजदीक गली की लाइट पिछले 15 दिनों से खराब

हरिभूमि न्यूज ►झज्जर

शहर में सांझ ढलते ही अधिकांश सड़कों पर अंधेरा छा जाता है। दिनभर वाहनों और लोगों की आवाजाही से गुलजार रहने वाली कई सड़कें शाम होते ही अंधेरे की चपेट में आ जाती हैं। स्ट्रीट लाइटें बंद होने अथवा समय पर नहीं जलने के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि समस्या को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद कोई समाधान नहीं किया जा रहा है।



बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों से बढ़ी राहगीरों की मुश्किलें, शिकायतों के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था सांझ ढलते ही शहर की सड़कों पर छा रहा अंधेरा, दुर्घटना का अंदेशा



झज्जर। पुराना बर्फखाना मार्ग पर छाया अंधेरा, निजी प्रतिष्ठानों की लाइट के भरोसे हैं सड़कें।

कहीं भी पूरी सड़क नहीं हो रही रोशन, बीच-बीच में लाइटें खराब

शहर के प्रमुख मार्गों, गली-मोहल्लों व बाजारों में उचित लाइटिंग की व्यवस्था नहीं है। कुछ क्षेत्रों में गिनी-चुनी लाइटें ही जलती हैं, जिससे पूरी सड़क रोशन नहीं हो पाती और बीच-बीच में अंधेरे वाले हिस्से बने रहते हैं। हालांकि नगर परिषद की ओर से लाइटों की मरम्मत का दावा किया जा रहा है, लेकिन जमीनी हालात कुछ और ही हकीकत बयां कर रहे हैं।

दिल्ली में सीएनजी के दाम 86.98 रुपये प्रति किलो हुए बॉर्डर पर सीएनजी ₹3.89 महंगी हुई, दिल्ली जाने वालों को झटका

हरिभूमि न्यूज►► बहादुरगढ़

शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमत 3.89 रुपये बढ़ाने के बाद अब टीकरी बॉर्डर पर सीएनजी के दाम 86.98 रुपये प्रति किलो हो गए हैं। हालांकि बहादुरगढ़ में फिलहाल सीएनजी की कीमत 93.90 रुपये प्रति किलो के स्तर पर है। यह अंतर अभी भी 6.92 रुपये है। वाहन चालकों ने महंगाई को लेकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर वाहन चलाने तक का खर्च लगातार बढ़ रहा है, लेकिन आमदनी में उस अनुपात में बढ़ोतरी नहीं हो रही है।

दिल्ली में पहले करीब 10 रुपये प्रति किलो सस्ती सीएनजी मिलने के कारण बहादुरगढ़ के वाहन चालक टीकरी बॉर्डर के रास्ते दिल्ली के सीएनजी स्टेशनों का रुख करते हैं। बता दें कि बहादुरगढ़ में 5 अगस्त और 16 अगस्त को

93.90 है बहादुरगढ़ में सीएनजी के दाम 6.92 रुपये दिल्ली से ज्यादा, ऐसे में गैस भरवाने जाते हैं बॉर्डर पर



सीएनजी की कीमत में दो बार इजाफा किया गया था। पहले यहां सीएनजी का रेट 90 रुपये प्रति किलो था और इस महीने में दो बार बढ़ने के बाद अब 93.90 रुपये प्रति किलो है। शनिवार को दिल्ली में भी कीमत 86.98 रुपये प्रति किलो होने के बाद दिल्ली और बहादुरगढ़ के रेट का अंतर घटकर करीब 7 रुपये प्रति किलो रह गया है।

सवारी ढोने वाले वाहन चालक परेशान

सीएनजी की कीमत बढ़ने से सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ने की आशंका है, जो रोजाना अपने वाहन से सफर करते हैं या सीएनजी वाहनों से अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं। वाहन चालक सुखबीर राठी ने कहा कि ईंधन के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जबकि किराया उस अनुपात में नहीं बढ़ रहा। ऐसे में वाहन चालकों के लिए काम करना और परिवार का खर्च चलाना मुश्किल होता जा रहा है। ललित कुमार को पप पर पहुंचने के बाद पता चला कि सीएनजी के दाम 3.89 रुपये प्रति किलो बढ़ गए हैं। इस बढ़ोतरी के पीछे पश्चिम एशिया संकट और अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट एलएनजी की बढ़ती कीमतों को प्रमुख कारण बताया गया है।

गैस कनेक्शन कटने का डर दिखा 2 लाख रुपये की ठगी

हरिभूमि न्यूज►►बहादुरगढ़

गैस कनेक्शन डिस्कनेक्ट होने का झॉसा देकर साइबर ठगों ने बहादुरगढ़ निवासी एक नर्सिंग ऑफिसर से क्रेडिट कार्ड के जरिए 2 लाख 6 हजार 903 रुपये की ठगी कर ली। ओमेक्स सिटी सेक्टर-15 निवासी शशी चौधरी ने बताया कि 23 अगस्त को उनके व्हाट्सएप पर एक नंबर से एचसीजी गैस यूजर के नाम से संदेश आया। इसमें गैस कनेक्शन डिस्कनेक्ट होने की सूचना देते हुए कनेक्शन ठीक कराने के लिए एक मोबाइल नंबर पर

संपर्क करने को कहा गया। उन्होंने 25 अगस्त को दिए गए नंबर पर संपर्क किया। सामने वाले व्यक्ति ने गैस कनेक्शन की रीडिंग ठीक करने के बहाने व्हाट्सएप के जरिए एचसीजी मीटर अपडेट नामक एप्लीकेशन का लिंक भेजा। ठग ने पीड़िता को विश्वास में लेकर एप्लीकेशन में उनके क्रेडिट कार्ड की जानकारी भरवा ली। इसके कुछ समय बाद ही उनके क्रेडिट कार्ड से 2 लाख 6 हजार 903 रुपये की राशि डेबिट हो गई। ठगी का पता चलते ही पीड़िता ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।

■ एक सप्ताह से समस्या बरकरार, जलभराव से दुकानदार और राहगीर हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज►►बहादुरगढ़

शहर के गांधी चौक में गत करीब एक सप्ताह से पेयजल लाइन के वॉल्व में लीकेज होने के कारण मेन बाजार में लगातार पानी बह रहा है। इससे जहां बड़ी मात्रा में पेयजल की बर्बादी हो रही है, वहीं सड़क पर जलभराव की स्थिति पैदा होने से आमजन और दुकानदारों को भारी

परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय दुकानदारों के अनुसार पेयजल लाइन के वॉल्व से लगातार पानी रिसने के कारण सड़क पर पानी जमा हो जाता है। बाजार में आने-जाने वाले लोगों को इसी पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। वहीं दुकानों के सामने पानी जमा होने से दुकानदारों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उपाध्यक्ष, अतिरिक्त उपाध्यक्ष (महिला आरक्षित) और सचिव के लिए एन्यूनतम 5 वर्ष का अनुभव और 15 हजार रुपये नामांकन शुल्क तथा लाइबेरियन कम ट्रेजरर के लिए 11 हजार रुपये नामांकन शुल्क तथा एन्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव जरूरी रखा गया है। इसे लेकर बार एसोसिएशन के सदस्यों के बीच सरगर्मियां तेज हो गई हैं।



बहादुरगढ़। शहर के गांधी चौक पर लीक होते वॉल्व से बहता पेयजल।

है कि समस्या पिछले कई दिनों से बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से लीकेज को ठीक करने

के लिए कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। एक ओर सरकार और प्रशासन लोगों से पानी बचाने की

असली मोबाइल दिखाकर बंद कवर में पत्थर देने वाला काबू

■ डेढ़ से दो हजार रुपये में एंड्रॉयड फोन का लालच देकर फंसाता था

हरिभूमि न्यूज►►झज्जर

शहर के सिलानी गेट स्थित धर्म मार्केट में असली मोबाइल दिखाकर ग्राहकों को मोबाइल कवर में कांच एवं पत्थर थमाने का मामला सामने आया है। आरोपी इससे पहले भी इस मार्केट में प्रवासी श्रमिकों को ठगी का शिकार बनाकर चला गया था लेकिन शनिवार को जब वह फिर से इस मार्केट में ठगी की वारदात को अंजाम देने पहुंचा तो लोगों ने उसे धर दबोचा और पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी दिल्ली का रहने वाला बताया जा रहा है। लोगों के

अनुसार करीब सप्ताह भर पहले उसने कई लोगों को ठगी का शिकार बनाया था। शनिवार को जब वह फिर से मार्केट में दिखाई दिया तो लोगों ने धर दबोचा। जानकारी के अनुसार आरोपी व्यक्ति पहले ग्राहक को असली मोबाइल दिखाकर उनका भरोसा जीतता। बाद में मोबाइल पसंद आने पर पैसे लेता और काले रंग के चैन लगे कवर में ग्राहक को थमा देता। मात्र डेढ़ से दो हजार रुपये की कीमत में एंड्रॉयड फोन लेकर प्रवासी श्रमिक खुश हो जाते लेकिन बाद में जब कवर खोला जाता तो उसमें मोबाइल की आकृति वाला चमकीला कांच या पत्थर का टुकड़ा निकलता।

निवेश से पहले समझें कौन सा प्लान सबसे बेहतर

म्यूचुअल फंड निवेश में एक्सपेंस रेटियो का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि निवेश लंबे समय के लिए किया जाता है। यदि दो समान योजनाओं में से एक में खर्च लगातार थोड़ा अधिक है, तो कई वर्षों में इसका असर निवेश के कुल मूल्य पर पड़ सकता है। इसीलिए निवेशक को केवल पिछले रिटर्न को देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। उसे एक्सपेंस रेटियो, फंड का प्रदर्शन, जोखिम, निवेश का उद्देश्य और अपने निवेश की अवधि जैसे पहलुओं को भी देखना चाहिए।

बिजनेस डेस्क

म्यू चुअल फंड में निवेश का फैसला करते समय केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि कौन सा फंड अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। निवेशक को यह भी समझना चाहिए कि वह डायरेक्ट प्लान में निवेश कर रहा है या रेगुलर प्लान में। दोनों विकल्पों में आमतौर पर एक ही म्यूचुअल फंड स्कीम और एक ही फंड मैनेजर के जरिए निवेश किया जाता है, लेकिन दोनों की लागत संरचना अलग होती है। यही अंतर संबंधी अवधि में निवेश के रिटर्न पर असर डाल सकता है। निवेशक के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान में अंतर क्या है और इनमें से कौन सा विकल्प उसके लिए बेहतर है। इसका जवाब हर निवेशक के लिए एक जैसा नहीं हो सकता। यदि निवेशक खुद फंड की रिसर्च कर सकता है और अपने पोर्टफोलियो को संभालने में सक्षम है तो डायरेक्ट प्लान कम लागत वाला विकल्प हो सकता है। वहीं नए या ऐसे निवेशक जिन्हें फंड चुनने और निवेश प्रबंधन में मदद चाहिए, उनके लिए रेगुलर प्लान उपयोगी हो सकता है।



रेगुलर प्लान में निवेशक म्यूचुअल फंड कंपनी यानी एएससी तक सीधे नहीं पहुंचता। वह बैंक, म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, ब्रोकर या वित्तीय सलाहकार के माध्यम से निवेश करता है। निवेश प्रक्रिया पूरी करने के साथ-साथ डिस्ट्रीब्यूटर निवेशक को फंड चुनने, कागजी प्राप्ति और निवेश से जुड़ी दूसरी सेवाओं से भी मदद कर सकता है। इसी सेवा को लागत भी होती है। म्यूचुअल फंड कंपनी डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन देती है और यह खर्च फंड के एकाग्रण से रेटियों में शामिल होता है। इसलिए आमतर पर रेगुलर प्लान का एएसएसपेक्ट रेटियों की पंक्तियों के डायरेक्ट प्लान की तुलना में अधिक होता है।

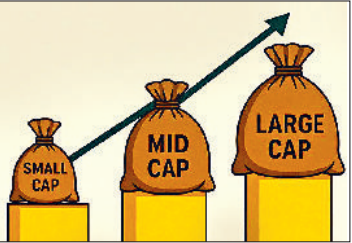
» रेगुलर प्लान ऐसे निवेशकों के लिए उपयोगी हो सकता है जिन्हें निवेश की जानकारी सीमित है या जो फंड चुनने और पोर्टफोलियो संभालने में विशेषज्ञ की मदद चाहते हैं।

» निवेशक के लिए कई बार सही फंड चुनना, जोखिम का आकलन करना, निवेश की अवधि तय करना और पोर्टफोलियो में बदलाव करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में डिस्ट्रीब्यूट की सहायता सुविधा प्रदान कर सकती है। हालाँकि निवेशक को यह भी समझना चाहिए कि इस सुविधा की लागत फंड के खर्च में शामिल होती है।

डायवर्सक प्लानव्या रेगुलर प्लान चुनने से पहले निवेशक को अपनी वित्तीय स्थिति और जानकारी का आकलन करना चाहिए। केवल वह सोचकर डायवर्सक प्लान चुनना उचित नहीं है कि उसका एसएसएस रेटिंगो कम है। इसी तरह केवल सुविधा के लिए रेगुलर प्लान लेना भी जरूरी नहीं है। निवेशक को यह देखना चाहिए कि वह कितने समय के लिए निवेश कर रहा है, कितना जोखिम उठा सकता है, फंड की लागत कितनी है और क्या वह अपने निवेश की निगरानी खुद कर सकता है।

डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान के बीच चुनाव व्यक्तिगत जरूरत पर निर्भर करता है। डायरेक्ट प्लान में कम लागत का फायदा मिल सकता है, जबकि रेगुलर प्लान में डिस्ट्रिब्यूटर की सहजताएं और सुविधा मिलती हैं। दोनों में निवेश का बाजार जोखिम बना रहता है। इसलिए निवेश करने से पहले केवल प्लान का नाम देखकर फैसला न करें। फंड के उद्देश्य, जोखिम, एक्सपेंस रेटियो, पिछला प्रदर्शन, निवेश अवधि और अपनी वित्तीय जरूरतों को समझना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर योग्य निवेश सलाहकार से सलाह लेकर ही निवेश का निर्णय लेना बेहतर है।

लार्ज, मिड या स्मॉल कैप कहां बनेगा बड़ा फंड

**बिजनेस डेस्क**

हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करने वाले निवेशक के मामले सबसे बड़ा साला होना है कि पिछा लार्ज, जिम या स्मॉल कैप फंड में लगाना जाए। तीनों कैटेगरी में जोखिम और रिस्क का संभावना अलग होती है। इसलिए फैसला फिखले एक साल के रिस्क को देखकर करना पड़ सकता है रानीगीत नही है। इक्विटी फंड्स का फंड में निवेश का फायदा तभी बहुत लंबी तक से मिल सकता है, जब निवेशक लंबी अवधि तक बाजार में बना रहे और उतार-चढ़ाव के दौरान धैर्यपूर्वक एसआईपी बंद न करे। पहले समझिए तीनों कैटेगरी में अंतर

एक निवेशक के वॉर्किंग कैप आनर्स लार्ज कैप फंड मुख्य रूप से बाजार पूंजीकरण के आधार पर देश की शीर्ष 200 कंपनियाँ में निवेश करते हैं। 101वीं से 250वीं रैंक वाली कंपनियाँ मिडकेप और निवेशक बाद की कंपनियाँ स्मॉल कैप शेयरों में आती हैं। लार्ज कैप कंपनियाँ आकार में बड़ी और स्थिरता पाते हैं। इसीलिए इनके कारोबार में अपेक्षाकृत स्थिरता देखने को मिल सकती है। हालाँकि इसका मतलब यह बिस्वास नहीं है कि लार्ज कैप फंड सुरक्षित हैं जिससे मुक्त नहीं है। शेयर बाजार में बड़ी विराट आए पर इनमें भी असुरक्षा हो सकता है। गैर कैप कंपनियाँ आकार में लार्ज कैप से छोटी होती हैं, लेकिन इनमें कारोबार तेजी से बढ़ने की संभावना हो सकती है। इसी वजह से इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी अधिक हो सकता है।

आज कोई निवेशक पहली बार इन्विटि
म्यूचुअल फंड में एसआरटीए शुरू कर रहा है
और बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं चाहता, तो
लॉन्ग टर्म कैपिटल कैप फंड अपेक्षाकृत आसान शुरुआत हो
सकती है। बड़ी कंपनियाँ के पास आज तो पर
लंबा कारोबारों ट्रैक रिकॉर्ड और मजबूत
कारोबार होता है। फिर भी निवेशक को यह
समझना चाहिए कि लार्ज कैप का मतलब
गारंटीड रिटर्न नहीं है। बाजार में 15-20% की
वोलैटिलिटी आती है तो लार्ज फंड भी नीचे जा सकते
हैं। अन्तर केवल इतना है कि मिड कैप और
स्मॉल कैप की तुलना में उतार-चढ़ाव कई बार
कम हो सकता है।

5,000 रुपये को मासिक वेतन आर्द्धी 15 साल तक जारी रखने पर कुल निवेश 9 लाख रुपये होगा उदाहरण के लिए, पिछले 15 वर्षों के औसत सालाना रिटर्न को आधार मानकर लार्ज कैप के लिए लार्ज कैप 11.9%, मिड कैप के लिए 17.2% और स्मॉल कैप के लिए करीब 14.7% रिटर्न माना जा सकता है, अलग-अलग कटेगरी में निवेश से रकम अलग बच सकती है। उपरोक्त अनुमान पर 2,500 लॉन्ग कैप, 1,500 मिड कैप और 1,000 रुपये स्मॉल कैप में लगाने पर ऐतिहासिक औसत रिटर्न को सारा उदाहरण के तौर पर इस्तेमाल करके पर 15 साल में करीब 28.7 लाख का फंड बन सकता है। इस लगभग 9 लाख मूल निवेश और करीब 19.7 लाख का अनुमानित लाभ शामिल होगा। हालांकि यह सिर्फ गणितीय अनुमान है। बाजार का वास्तविक रिटर्न हर साल अलग हो सकता है और भविष्य में यही रिटर्न देनाया जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

बेजनेस डेस्क

समय से पहले एफडी बंद करने का सबसे बड़ा
असर मिलने वाले ब्याज पर पड़ सकता है। एफडी
बनाने लगने जितने ब्याज दर का निर्धारण किया
गया था, जरूरी नहीं कि समय से पहले एफडी बंद
करने पर उसी दर से ब्याज मिले। बैंक अमतौर पर
उस अवधि के आधार पर ब्याज की गणना
कर सकता है, जितने समय तक रकम वास्तव में
एफडी में रखा रही। इसके अलावा संस्थापक
निकासी का शुल्क भी लगाया जा सकता है।
उदाहरण के लिए, यदि आपने पांच साल के लिए
एफडी करवाई थी, लेकिन दो साल बाद ही उसे बंद
कर दिया, तो आपको पांच साल की तय ब्याज दर
का पूरा लाभ नहीं मिल सकता।

एफडी से मिलने वाला ब्याज आपकी आय का हिस्सा माना जाता है और उस पर लागू आयकर निर्गमों के अनुसार कर देवदारों बका सकती है। इन्फ्लेशन समय से पहले एफडी बंद करने का फैसला करते समय केवल थ्रूशन और ब्याज में होने वाले नुकसान पर ही ध्यान न दें। यह भी देखें कि एफडी से अब तक कितना ब्याज अर्जित हुआ है और उस पर आपकी कर देवदारों कितनी बका सकती है। अलग-अलग निवेशकों को कर स्थिति अलग हो सकती है।



अगर आपको थोड़े समय के लिए पैसों की जरूरत है तो पूरी एकपड़ी बंद करवा हमेशा जरूरी नहीं है। अपने पैसों से यह पता लगा जा सकता है कि एकपड़ी के बदले कर्ज या अधिकांश की सुविधा उपलब्ध है या नहीं। इस व्यवस्था में एकपड़ी को जारी रखते हुए उसकी जमानत के आधार पर जरूरत की रकम प्राप्त की जा सकती है। इससे एकपड़ी पूरी तरह बंद करने से होने वाले ब्याज के नुकसान से बचने का मौका मिल सकता है। हालांकि, इस विकल्प में बैंक कर्ज पर ब्याज और अन्य शुल्क ले सकता है।

अगर आपको एफडी में जमा पूरी रकम की जरूरत नहीं है तो पहले यह पता करें कि आपका

पैसों की जरूरत में एफडी बंद करना जरूरी नहीं, घटेगी ब्याज की रकम

यही जगह है कि बड़ी संख्या में लोग अपनी बचत को निश्चित अर्धि के लिए एफडी में भण्डान करते हैं। लेकिन कई बार आगमक पैसों की जरूरत पड़ जाती है और निवेशकों को एफडी की वसुली पूरी होने से पहले ही रकम निकालने का उमसाल करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में एफडी को नगमय से अर्धि बंद करना संभव है, लेकिन इसके लिए आपको नुकसान भी हो सकते हैं। एफडी शुरू करने के समय बैंक एक निश्चित अर्धि और ब्याज दर तय करता है। यदि निवेशक उस अर्धि के नगमय से पहले एफडी बंद करता है तो जरूरी पैसों के अंशे शुरूआत में तय ब्याज दर का पूरा लाभ न मिले। बैंक के नियमों के अनुसार ब्याज में कटौती भी जा सकती है और कुछ मामलों में नगमय से एफडी बंद करने का शुल्क भी लागू जा सकता है। इसलिए जल्दबाजी में एफडी तोड़ने के बजाय पहले इका पचा जरूरी बातों को समझ लेना चाहिए।

बसने पहले अपने बैंक के नियमों की जानकारी लें। एफडी की तय अवधि पूरी होने से पहले पैसा निकालने पर बैंक समग्रपूरी निवारणी शुल्क या कमिशन लना सकता है। यह शुल्क बैंक, एफडी व निगमों और जमा की गई रकम के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकता है। इसलिए एफडी बैंड खरने से पहले बैंक से यह जरूर पता करें कि एफडी के रूप में किन्तनी रकम काटी जाएगी और एफडी बैंड करने के बाद आपके खाते में वास्तविक रूप से किन्तनी राशि आएगी।

गिर निवेशक को कमाई निर्यात है और अगले 10-15 साल तक निवेश की भाँख रकम की जरूरत नहीं है, तो पोर्टफोलियो में मिड कैप का हिस्सा ख़ासा जा सकता है। इन कंपनियों में अग्रिम में तेजी बढ़ने की क्षमता हो सकती है। इसके साथ-साथ निवेशक जोखिम भी आता है। बाजार में विराट के गिराने मिड कैप फंड में लाज़ कैप की तुलना में ख़ासा आदत-चढ़ान देखने को मिल सकता है। यहाँ निवेश करने वाले व्यक्ति में लंबी अवधि तक निवेश बनाए रखने का धैर्य होना जरूरी है।

असमाल को फंड में कुछ कंपनियों में निवेश करने की योजना है। इनमें से कुछ कंपनियों में भविष्य में बढ़ी हुई छपनियों का बकासा है और शानदार रिटर्न दे सकते हैं। लेकिन इन स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश करना सफल हो सकता है। बजार में तेजी के दौरान स्मॉल कैप कंपनियों में तेजी से बढ़ावा मिल सकता है। लेकिन इन कंपनियों में निवेश करने से बड़ा रिस्का है, क्योंकि इन कंपनियों में नुकसान की ज्यादा हो सकता है। इसलिए इन कंपनियों में निवेश करने से पहले अच्छी तरह से रिसर्च करना चाहिए।

डेटेगरी मासिक	एसआईपी	सालाना निवेश
वार्ज कैप	2,500	30,000
मड कैप	1,500	18,000
मॉल कैप	1,000	12,000
कुल	5,000	60,000

000 रुपये का तीन अलग-अलग फंड में बांटना अनिवार्य नहीं है। अगर निवेशक खुद लार्ज कैप और स्मॉल कैप के बीच अनुपात तय नहीं करना चाहता तो फोलेक्ससी कैप फंड पर भी विचार किया जा सकता है। ऐसे फंड को अलग-अलग मार्केट कंपनियों में निवेश करने का अधिक स्वतंत्रता प्रदान करती है। यहां भी केवल पिछले साल के शानदार रेटर्न को देखकर फंड चुनना सही नहीं है।

नवधि के निवेश में बड़ी गलती हो सकती है।
गलते बाजार में समान 5,000 रुपये से ज्यादा
नित खरीदी जा सकती हैं। बाजार में सुधार पर
नितरिक्त युनित फायदा बढ़ाने में मदद होती हैं।

बिजनेस डेस्क

योंधारों का मौसम शुरू होते ही बाजार और ऑनलाइन खरीदारी में पंजो पर तरह-तरह के आकर्षक ऑफर आने लगते हैं। मोबाइल, टी.वी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन से लेकर कर्नलियां और दूसरे महंगे सामान पर भारी छूट के साथ असाधारण मारिकि किरतों के प्रस्ताव बाहकों की खरीदारी के लिए आकर्षित करते हैं। इनमें नो-कोस्ट ईसंपआर या बिना ब्याज वाला किरत का प्रस्ताव सबसे ज्यादा मुभाता है। बाहक को लगता है कि महंगे सामान बिना अतिरिक्त ब्याज के छोटे-छोटे मुभातानों में खरीद सकते हैं। लेकिन योंधारों की मुभातानों में इस तरह के प्रस्ताव को देखकर तुरंत फैसला करना समझदारी न है। नो-कोस्ट का मतलब यह जरूरी नहीं कि खरीदने से जुड़ी कोई लागत ही नहीं होगी। कई मामलों में प्रसेकरण शुल्क, कर, छूटी हुई तत्काल छूट, समय-समय पर होने वाले बर्द करने का शुल्क या देर से मुभातान न मिलने जैसी बाहक की कुल लागत बढ़ सकता है। अलग-अलग बैंक और प्रणदता अपनी अलग शर्तें रखते हैं। इसलिए, 2024 बैंकों की प्रकाशित शुल्क तालिकाओं को देखकर सुविधा के लिए प्रसेकरण शुल्क और समय-समय पर मुभातान शुल्क के अलग-अलग प्राधान्य दिखाई देते हैं। इसलिए इस योंधारों मौसम में खरीदारी से पहले ठीक-ठीक मारिकि किरत नहीं, बल्कि कुल मुभातान पर नजर रखना जरूरी है।



पहले तय करें, सामान की जरूरत है या नहीं
 रीत्यहारों में सबसे बड़ी गलती यही होती है कि वाहक की जरूरत से ज्यादा खरीदारी कर लेता है। इतनी बड़ी खरीद दोबारा नहीं मिलेगी। इसकी कम कीमत से सामान मिल रहा है। जैसी सोच खरीदारी का फैसला प्रभावित कर सकती है। इससे बचने का आसान तरीका यह है कि बाजार जाने या ऑनलाइन खरीदारी शुरू करने से पहले जरूरी सामान की सूची बना लें। जो सामान पहले से खरीदने की योजना में नहीं था, उसे केवल खरीद या किस्त के प्रस्ताव के कारण खरीदने से बचें। याद रखें, जिस सामान की जरूरत नहीं है, उस पर मिलने वाली बड़ी छूट भी वास्तव में बरत नहीं है। उदा., उसका मासिक किस्त आपको आने वाले महीनों के बचत को प्रभावित कर सकती है।

नो-कॉस्ट' का मतलब पूरी तरह मुफ्त नहीं

नो-कॉस्ट इएमआरडी के आन्तेरीय पर सामानां का कोमर्श कों कौई माहुरीत अस्तीतों में बांट दिया जाता है। कोमर्श की राशि को विक्रेता की ओर से दी जाने वाला शुल्क के माध्यम से समायोजित किया जा सकता है। इसपरिलेण व्याहक की अंगर से ब्याज चुकाने का बोझा महसूस नहीं देता। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण बात ध्यान में रखनी जरूरी है। ब्याज का समायोजन हो जाने वें बाद भी प्रसंस्करण शुल्क या अन्य शुल्क लागू ह सकते हैं। इसपरिलेण केवल बिना ब्याज लिखा देखकर गलत मान लेना सही नहीं है कि व्याहक को कोमर्श अतिरिक्तिय रक्कम नहीं देने होंगे। उद्धारण के लिए कुछ बैंकों की मौजूदा शूलक तालिकाओं में निम्न सुविधा पर लेनदेन राशि के आधार पर प्रसंस्करण शुल्क और समग्र से पहले किस्ता बंद करने पर अलग शुल्क का प्राधान्य है।

नकद व किस्त वाली कीमत की तुलना करने
यहोदारी खरीदारों में ग्राहक को सबसे पहले सामान का वास्तविक नकद कीमत और किस्त योजना में चुगाने वाली कुल रकम की तुलना करनी चाहिए। नीजिए किसी सामान की कीमत एक लाख रुपये है। इतकान पर उसे 12 महीनों की किस्त में खरीदने के मुलाना दिया जा रहा है। मासिक किस्त देखकर यह नय न करें कि सौदा सस्ता है। सभी किस्तों को जोड़ें उसमें प्रसंस्करण शुल्क, कर तथा अन्य लागू शुल्क शामिल करें। देखें कि कुल मुगाना किना हो रहा है। यदि सामान पर बिना किस्त मुगाना पर अलग शुल्क मेल रहा है तो उस छूट को भी तुलना में शामिल करें। कल बार किस्त के लालच में तत्काल मुगाना करने वाली छूट छोड़ देता है।

प्रसंस्करण शुल्क की जानकारी पहले ले
क्रिस्ट लेने से पहले बैंक या वित्तीय संस्था से यह जरूर पूछ लें कि प्रसंस्करण शुल्क कितना है। यह एक निश्चित रकम हो सकती है या खरीदारी की रकम के आधार पर तय हो सकती है। इस पर लागू कर की जानकारी भी लें। कुछ बैंकों की 2026 की शर्तों में क्रिस्ट सुविधा पर न्यूनतम रकम या लेनदेन के प्रतिशत के आधार पर प्रसंस्करण शुल्क निर्धारित है। इसलिफ हर् नो-कोस्ट प्रस्ताव की वास्तविक लागत अलग हो सकती है।

त्योहार में भूट देखकर बमत न बिगाड़ें

त्योहारों और का फायदा उठाना गलत नहीं है। जहाँ-जहाँ छुट का मतलब बरत ठीका है जब ख़दीयारी आपकै बमत के भीतर हो। ख़दीयारी की रकम पहले से तय कर लें और उसी सीमा में सामग्री खरीदें। अगर कोई सामान जरूरत का है और उस पर वास्तविक छुट मिल रहा है, किसी की कुल लागत यथार्थ है और मासिक भरोसा आसानियों से किया जा सकता है तो प्रस्ताव पारित करवा दिया जा सकता है। केवल 'आज का ऑफ़र' - 'सीमित समय की छुट' या 'बिना ब्याज की किराए' देखकर ज्यादा खर्च करना आर्थिक दबाव बढ़ाता है।

खरीदारी से पहले ये पांच चीजें जरूर जांचें

- पहला, सामान की नकद कीमत और किस्त में कुल भुगतान कितना है।
- दूसरा, तत्काल कूप छोड़ने पर आपको कितना नुकसान हो रहा है।
- तीसरा, प्रसंस्करण शुल्क और उस पर लगने वाले कर कितने हैं।
- चौथा, समय से पहले किस्त बंद करने पर कोई शुल्क लगेगा या नहीं।
- पांचवां, देर से भुगतान की स्थिति में कितना अतिरिक्त खर्च हो सकता है।

‘नो-कॉस्ट’ नहीं, कुल लागत देखें

नो-कॉस्ट ईएमआई खराब विकल्प नहीं है, लेकिन इसे तभी चुनना समझदारी है जब सामान की जरूरत हो, कुल लागत स्पष्ट हो और किस्त आपकी आर्थिक क्षमता के भीतर हो। आसान किस्त देखकर नहीं, पूरी कीमत देखकर फैसला करें।

ख़बर संक्षेप

यज्ञ, भजन, प्रवचन और अभिनंदन कार्यक्रम आज

झज्जर। महर्षि दयानंद शिक्षण केंद्र भट्टी गेट में रविवार को वैदिक सत्संग का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस यज्ञ - भजन - प्रवचन एवं अभिनंदन कार्यक्रम में अनेक वैदिक विद्वान पहुंच कर अपना वक्तव्य रखेंगे। केंद्र के संरक्षक महाशय रत्तीराम आर्य ने बताया कि प्रातः 8 बजे यज्ञ से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में भजनों व प्रवचनों के माध्यम से आर्य समाज की महिमा बताई जाएगी वहीं समाज उत्थान के कार्य में बढ़ चढ़ कर भाग लेने वाले लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा। जन्माष्टमी व गोगा नवमी पर

खानपुर कला में मेला व कुश्ती दंगल पांच को

झज्जर। पांच सितंबर को खानपुर कलां गांव स्थित जहारवीर गोगाजी का दो दिवसीय मेले व कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। मंदिर कमेट्री प्रधान अत्तर सिंह ने बताया कि 4 सितंबर को जन्माष्टमी पर्व पर जहां मेला लगेगा वहीं पांच सितंबर को गोगा नवमी के उपलक्ष्य में मेला व कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन मंदिर कमेट्री, ग्राम पंचायत खानपुर कलां व क्षेत्रवासियों के सहयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस विशाल दंगल में पहली कुश्ती 1 लाख 21 हजार रुपये, दूसरी कुश्ती 61 हजार की तथा तीसरी कुश्ती 41 हजार रुपये की होगी।

गांगटान गांव में रत्रि ठहराव कार्यक्रम कल

बेरी। एसडीएम बेरी रेणुका नांदल ने बताया कि क्षेत्र के गांव गांगटान में सोमवार को राजकीय क्मावि में प्रशासन के रत्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीसी वर्षा

खांगवाल करेंगी। उन्होंने बताया कि डीसी ग्रामीणों से सीधा संवाद करके उनकी समस्याएं सुनेंगी तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएंगे।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशासन को गांव स्तर तक पहुंचाकर आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निवारण करना है।

बीन वादन प्रतियोगिता का आयोजन दो को

झज्जर। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा द्वारा आगामी दो सितंबर को मल्टी आर्ट कल्चर सेंटर, हरियाणा कला परिषद, कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय बीन दलों की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिता का उद्देश्य हरियाणा की समृद्ध लोक कला एवं लोक संगीत परंपराओं को बढ़ावा देना तथा बीन वादन से जुड़े कलाकारों को

प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करना है। विभाग द्वारा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता दलों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के साथ-साथ पांच सात्वना पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव, नहीं हुई पहचान

बहादुरगढ़। बीती रात करीब 12 बजे परनाला फाटक और छोट्टराम नगर के बीच नाले के पास करीब 35 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आया है। सूचना मिलने पर जीआरपी बहादुरगढ़ की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। मामले के जांच अधिकारी प्रदीप ने बताया कि शव को पहचान के लिए झज्जर के नागरिक अस्पताल के शवगृह में 72 घंटे के लिए रखवाया गया है।

खेत से घर लौट रहे बुजुर्ग की हादसे में मौत रोहतक। बहुअकबरपुर में थाने के पास तेज स्फ़ार बुलेट की टक्कर से 63 वर्षीय सुरजभान की मौत हो गई। सुरजभान दिनभर मदीना स्थित खेतों में काम करने के बाद पैदल घर लौट रहे थे। इसी दौरान मदीना की ओर से आई बुलेट ने उन्हें टक्कर मार दी। परिवजन उन्हें पीजीआईएमएस के ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

24वें दिन भी हड़ताल पर डटे रहे जिले के सफाई कर्मचारी

कचरे के ढेर पर शहर, हर जगह कूड़ा ही कूड़ा, संक्रमण फैलने का खतरा

दिल्ली से भी कर्मचारी नेता पहुंचे धरना स्थल पर

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का अब व्यापक असर देखने को मिल रहा है। पूरे शहर में कूड़े के ढेर लगे हुए। स्थिति यह है कि सड़कों, गली-मोहल्लों में लगे कूड़े से उठ रही दुर्गंध के कारण शहरवासियों को अब संक्रमण फैलने का भी डर सताने लगा है। शहर में काफी संख्या में लोग मॉस्क का भी प्रयोग करने लगे हैं। लोगों का कहना है कि यदि यहीं स्थिति रही तो घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो जाएगा।

दिल्ली से भी कर्मचारी नेता पहुंचे धरना स्थल पर: हड़ताली सफाई कर्मचारियों के समर्थन में दिल्ली से भी कर्मचारी नेता



झज्जर। सफाईकर्मियों की हड़ताल के कारण शहर में लगे कूड़े के ढेर और हड़ताली

धरनास्थल पहुंचे। यहां झाड़ू मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाखन वाल्मीकि, शेखर, प्रदेश सचिव दिल्ली आरजेएम अनीश पहलवान सहित शहर के भट्टी गेट वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर सफाई कर्मचारियों के आंदोलन को समर्थन दिया। जिनमें डॉक्टर नरेश, रमेश चंदा, मुकेश कांगड़ा, बादल कांगड़ा, ग्रामीण सफाई कर्मचारी संदीप तथा सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ से रमेश जाखड़ व रोहतास

शामिल रहे। इस मौके पर इकाई प्रधान शिवम चांवरिया, इकाई सचिव विकास उज्जैनवाल, जिला सचिव गौरव, ऑडिटर कृष्ण, सलाहकार सुरेश, सह सचिव बबली, महिला उपप्रधान कमलेश, प्रचार सुचारक मनीषा, शीतल, रानी, दया, सुषमा, सुमित्रा, सीमा, अंजू, सुरेश, रविंद्र, विक्रम, नवीन, अमित, मुकेश, विनोद, दुष्यंत, रितु, गोता, रामरती, संतोष, बबिता, सुनीता, रेखा, ऊषा, राजेश, शिबू,



सफाई कर्मियों को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता।

फोटो : हरिभूमि

ये हैं प्रमुख मांगें

सफाई कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में बीती 13 मई को हुए समझौते को लागू करना, फरीदाबाद अग्निकांड में काल का ग्रास बने कर्मचारियों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये व सरकारी नौकरी, पे रोल कर्मचारियों, फायरमैन व चालकों

को नियमित करना, वर्ष 2014 में हटाए गए झज्जर के 61 कर्मचारियों को वापस लेना, ड्यूटी के दौरान मृत्यु पर 20 लाख रुपये की सहायता, ठेका प्रथा बंद, सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये व पांच हजार रुपये जोखिम भत्ता देना, एचकेआरएन व ठेका कर्मचारियों को नियमित करना, जब तक नियमित किया जाए तब तक 30 हजार रुपये मासिक वेतन देना शामिल है।

एसयूसीआई ने महंगाई को लेकर जताई चिंता

बहादुरगढ़। सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) ने बढ़ती महंगाई पर गंभीर चिंता जताई है। पार्टी के राज्य सचिव कॉमरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि चीनी, प्याज, दालों समेत तमाम आवश्यक वस्तुओं एवं रसोई गैस, दवाइयों, इलाज के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है।

सरकार को पूंजीपतियों की चिंता: जयकरण

जयकरण मांडौटी के अनुसार सरकार की जनविरोधी व पूंजीपति हितैषी नीतियों के कारण यह वृद्धि हुई है। पूंजीपति कंपनियों के हित-स्वार्थ में एथनॉल को लाया गया। पहले वाहन मालिक इसका विरोध कर रहे थे। जबकि एथनॉल में गन्ने का प्रयोग होने से बाजार में चीनी की उपलब्धता का संकट दिखाकर अकूत मुनाफा लूटा जा रहा है। सरकार को केवल पूंजीपतियों की चिंता है।

एमडीयू में गरनावटी के युवक पर जानलेवा हमला

रोहतक। एमडीयू के एफडीसी कैफेटेरिया में मामूली कहासुनी से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। गरनावटी निवासी देव पर युवकों के समूह ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामले ने और तूल पकड़ लिया। वीडियो में कई युवक देव को घेरकर उस पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए वारदात में शामिल रहे खेड़ी साध निवासी सुमित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जबकि पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस प्रवक्ता मनीष के अनुसार, 26 अगस्त को एमडीयू के एफडीसी कैफेटेरिया में दो पक्षों के बीच झगड़े की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पुरानी रंजिश को लेकर देव के साथ मारपीट की गई।

भाकियू ने संगठन को दी नई मजबूती कुलदीप पंधाल को बनाया जिला प्रधान

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

भारतीय किसान यूनियन की ओर से क्षेत्र के गांव उखलचना कोट में आयोजित किसान पंचायत में संगठनात्मक विस्तार के अंतर्गत कुलदीप पंधाल को जिला प्रधान तथा आशीष डबास को जिला महासचिव नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष रतन मान ने दोनों नियुक्तियों की घोषणा करते हुए कहा कि संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने और किसानों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए नई टीम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पंचायत में हरियाणा व दिल्ली प्रदेश के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में किसानों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने भाग लिया तथा नवनियुक्त



पदाधिकारियों का स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए रतन मान ने किसानों से एकजुट होकर अपने अधिकारों और मांगों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने किसानों को 2 सितंबर को सोनीपत के गोहाना रोड स्थित चौधरी छोट्टराम धर्मशाला में आयोजित किसान महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने

का निमंत्रण दिया। इस मौके पर दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष दलजीत सिंह डागर, प्रदेश संगठन सचिव श्याम सिंह मान, प्रादेशिक सचिव कार्यालय राजकुमार, पंचगामा के प्रधान रोशन लाल, चांद पहलवान, तत्सवीर सिंह, प्रताप सिंह छिल्लर, परमजीत सिंह, राजवीर सिंह, रणवीर नंबदवार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

पत्नी से परेशान युवक ने फंदा लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

लाइनपार क्षेत्र के हरिनगर में एक युवक ने कथित तौर पर पत्नी से चल रही अनबन से परेशान होकर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान आशीष के रूप में हुई है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 108 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मृतक के भाई नवीन कुमार ने बताया कि आशीष की शादी वर्ष 2016 में प्रीति कुमारी के साथ हुई थी। दोनों का 9 वर्षीय बेटा नमन भी है। शिकायत के अनुसार पति-पत्नी के बीच अक्सर अनबन रहती थी।

एफएसएल टीम बुलाई

आशीष के अनुसार अतीत में प्रीति द्वारा आत्महत्या करने संबंधी सुसाइड नोट लिखे जाने के कारण आशीष मानसिक रूप से

पत्नी के आत्महत्या करने संबंधी सुसाइड नोट लिखे जाने के कारण आशीष रहता था परेशान

परेशान रहता था। प्रीति राखी बांधने के लिए 27 अगस्त को अपने मायके गई थी। शुक्रवार रात करीब साढ़े 10 बजे आशीष ऊपर कमरे में जाकर सो गया। जब शनिवार को वह नीचे नहीं आया तो नवीन और उसकी मां निर्मला देवी ऊपर पहुंचे। दरवाजा तोड़कर अंदर जाने पर आशीष पंखे से फंदे पर लटक मिला। उसके पास सुसाइड नोट भी मिले हैं। सूचना मिलने पर लाइनपार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मौके पर एफएसएल टीम बुलाई गई।

जिलेभर के मतदान बूथों पर पहुंचे मतदाता, दर्ज कराए दावे-आपत्तियां

नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम अवतरा जांचे और नाम, पता व अन्य विवरण भी सही होने की पुष्टि करे: उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर अभियान के तहत मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और अद्यतन बनाने के लिए जिलाभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शनिवार को जिला के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ मौजूद रहे और नागरिकों से मतदाता सूची से



झज्जर। मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां दर्ज करते बीएलओ।

फोटो : हरिभूमि

संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त कीं। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने जिलावासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य

जांचे और नाम, पता व अन्य विवरण भी सही होने की पुष्टि करें। उन्होंने कहा कि सुटि रहित और पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

एमबीबीएस काउंसलिंग में शामिल हुआ संस्कारम स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में संस्कारम विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संस्कारम् स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज को हरियाणा में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय एमबीबीएस काउंसलिंग में शामिल किया गया है। इसके साथ ही योग्य विद्यार्थी अब संस्कारम विश्वविद्यालय में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए प्रवेश ले सकेंगे।

पंडित बीडी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज रोहतक की ओर से जारी एमबीबीएस सार्वजनिक सूचना के राउंड-1 में संस्कारम स्कूल ऑफ मेडिकल

अच्छे चिकित्सक बनने के साथ संवेदनशील और जिम्मेदार इंसान भी बनें

झज्जर। डॉक्टर महिपाल, चांसलर, संस्कारम् विश्वविद्यालय, झज्जर।

साइंसेज का नाम काउंसलिंग में शामिल संस्थानों की सूची में दिया गया है। काउंसलिंग के प्रथम चरण के लिए ऑनलाइन पंजीकरण और चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया 28 से 31 अगस्त तक निर्धारित की गई है। 2 सितंबर को प्रोविजनल सीट अलॉटमेंट जारी किया जाएगा। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के

अंतर्गत फीस जमा कराने, दस्तावेज सत्यापन और प्रवेश संबंधी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

उज्ज्वल भविष्य की कामना: विवि के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि एमबीबीएस काउंसलिंग में संस्कारम् स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज का शामिल होना विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रयास रहेगा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के साथ ऐसा वातावरण मिले, जहां वे अच्छे चिकित्सक बनने के साथ संवेदनशील और जिम्मेदार इंसान भी बनें। उन्होंने एमबीबीएस में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खाली प्लॉट में जलभराव और गंदगी से परेशान परिवार ने डीसी से लगाई गुहार

■ जलभराव व पनपे मच्छरों के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

शहर के वार्ड नंबर 15 स्थित एक खाली प्लॉट में पिछले लंबे समय से चले आ रहे जलभराव की गंदगी की समस्या से निजात दिलाने की शिकायत पीड़ित परिवार द्वारा डीसी से की गई है। शिकायतकर्ता उदय पाल ने बताया कि उनके आवास के साथ लगते खाली प्लॉट में लंबे समय से जलभराव और गंदगी की समस्या बनी हुई है। खाली प्लॉट में बारिश का पानी लंबे समय तक जमा रहता है और पानी की निमस की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण यहां कचरा व गंदगी भी जमा हो गई है। जलभराव और गंदगी के चलते प्लॉट में



मच्छरों व अन्य कीटों की संख्या बढ़ गई है। इससे आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नियमित रहने वाले जलभराव व पनपे मच्छरों के कारण लोगों स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस संबंध में वे प्लॉट मालिक को कई बार मौखिक रूप से

अवगत करा चुके हैं लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने डीसी को शिकायत देकर मामले का सज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को मौके की निरीक्षण करवाकर खाली प्लॉट की तत्काल सफाई कराने के निर्देश जारी करने की गुहार लगाई है।

विद्यार्थियों को किया नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक डायल 112 के उपयोग की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

जिला पुलिस द्वारा युवाओं को नशे और अपराध से दूर रखने के उद्देश्य से लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में नशा मुक्ति टीम की टीम द्वारा सनराइज सुनियर सेंकेडरी स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति टीम की मुख्य सिपाही सरला और एसपीओ संजीत कुमार ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और भविष्य पर गंभीर प्रभाव डालती है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को बेहतर



बनाने तथा खेल, शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को डायल 112 की सुविधा के बारे में जानकारी देते

हुए बताया कि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस सहायता के लिए डायल 112 का उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति भी

जागरूक किया गया। ऑनलाइन उगी, फर्जी कॉल, लिंक और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर राजेश जून ने युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए किया प्रेरित बुराइयों से बनाएं दूरी, खेलों में तलाशें कैरियर, सपने होंगे साकार: विधायक

गांव बामडोली स्थित स्टेडियम में हॉकी प्रतियोगिता, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

जिला खेल विभाग की ओर से राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर गांव बामडोली स्थित स्टेडियम में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक राजेश जून ने दीप प्रचलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें नमन किया। विधायक ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विधायक राजेश जून ने बामडोली स्टेडियम में लड़कियों और लड़कों की हॉकी टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें आशीर्वाद देते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेलों में प्रतिभावान युवाओं के लिए रोजगार और उच्चल भविष्य के भी अनेक अवसर उपलब्ध हैं। राजेश जून ने कहा कि सीएम नाथब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार खेल प्रतिभाओं को लगातार आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बच्चों और युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसी बुराइयों से दूर रहें और अपना अधिक से अधिक समय खेल मैदान में बिताएं। मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ खेलों में आगे बढ़कर युवा अपने परिवार, गांव और प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं।

खेलों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता व आत्मविश्वास का होता है विकास

■ मेजर ध्यानचंद का जीवन खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साहवावास में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मेजर ध्यानचंद की जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा एवं हेमंत गुलिया तथा प्राचार्या प्रीति राठी ने मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। खेलों



बहादुरगढ़। हॉकी खिलाड़ियों के साथ विधायक राजेश जून व अन्य।

फोटो: हरिभूमि

सराय गांव में क्रिकेट एकेडमी का हुआ शुभारंभ

बहादुरगढ़। गांव सराय औरंगाबाद में खिलाड़ियों को बेहतर क्रिकेट प्रशिक्षण एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्री बालाजी स्पोर्ट्स एरिना क्रिकेट एकेडमी का शुभारंभ किया गया। सरपंच राकेश राठी, भीम अर्चोर्ड चरण सिंह राठी व भूतपूर्व सैनिक नारायण सिंह ने रिबन काटकर क्रिकेट एकेडमी का उद्घाटन किया। एकेडमी उद्घाटन के उपरांत क्रिकेट का पहला मुकाबला बहादुरगढ़ बेरोजगार और बाउंड्री हंटर टीमों के बीच खेला गया। मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। बहादुरगढ़ बेरोजगार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। बाउंड्री हंटर्स की टीम ने निर्धारित 5 विकेट खेकर 42 रन बनाए। बहादुरगढ़ बेरोजगार की टीम ने महज 2.4 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए लक्ष्य के साथ जीत हासिल की। शानदार प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की गयी और द मैच चुना गया। इस अवसर पर अश्वनी राठी, आनंद राठी, वीरेंद्र सांगवान, रणबीर राठी, सुभाष राठी, दलबीर राठी, बलवान राठी, अशोक सांगवान, समुद्र राठी, मनोज सांगवान, आशीष राठी, असीम राठी, नवीन राठी, प्रतीक राठी, दर्शन राठी, रविंद्र जून, मनोज जून, राहुल बहिया, मंजीत राठी आदि मौजूद रहे।



वैश्य आर्य पब्लिक स्कूल में खेलों में दिखाई प्रतिभा

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य पब्लिक स्कूल में शनिवार को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। सभी विजेता छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्कूल में मॅडक रेस, थ्रीलेग रेस, बॉटल रेस, बोरा रेस, लेमन रेस, रस्सा कशी और पिगी बैक रेस जैसी प्रतियोगिताएं करवाई गईं। प्रधानाचार्या अंजू अग्रवाल ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। खेलों से न केवल हमारा शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि हममें अनुशासन और एकता की भावना भी आती है। उन्होंने मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लेकर खेलों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ाने, शारीरिक फिटनेस, आपसी सहयोग, संतुलन, एकाग्रता व खेल भावना का विकास करने में सहायक होते हैं।



एलए स्कूल में बनाई विशाल मानव श्रृंखला

झज्जर। एल ए वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में खेल दिवस पर विशाल मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया। भूगोल प्राध्यापक सुकेश शर्मा ने बताया कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा खेल दिवस के मौके पर फिट इंडिया मूवमेंट के प्रति जागरूक करना है। स्कूल प्रबंधक के एम डागर व प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि खेल दिवस प्रतिवर्ष 29 अगस्त को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। इस अवसर पर प्रतिभावान खिलाड़ियों को महामहिम राष्ट्रपति के द्वारा सम्मानित किया जाता है। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव बहिया, अनिता गुलिया, नीलम बहिया, योजित गुलिया, मविष्ठा बहिया ने खेल दिवस पर स्कूल के प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि लक्ष्य से किया गया प्रयास व्यर्थ नहीं जाता।

खेल दिवस पर प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाया अपना टैलेंट

■ स्पर्धा में जीत हासिल करने वालों को किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय मातनहेल में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर आयोजित इस खेल समारोह में गुरुग्राम व फरीदाबाद के जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी विनय यादव ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि झज्जर और हरियाणा हमारे देश भारत की स्पोर्ट्स कैपिटल हैं। यहां की हवा में ही मेडल जीतने की खुराक समाहित है। विद्यालय के



झज्जर। दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते हुए विद्यार्थी।

फोटो: हरिभूमि

100 मीटर दौड़ व शतरंज में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

■ राजकीय महाविद्यालय दुजाना में मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

राजकीय महाविद्यालय दुजाना में शनिवार को महान हॉकी खिलाड़ी एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने 100 मीटर दौड़ एवं शतरंज प्रतियोगिता में भाग लिया। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास तथा

स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करना रहा। महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य नसीब सिंह ने विद्यार्थियों को जीवन में खेलों के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही आवश्यक नहीं हैं, बल्कि ये मानसिक स्वास्थ्य, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में नसीब सिंह, डॉक्टर सुनीता व डॉक्टर दीपा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।



कैरम व शतरंज में दिखाया हुनर

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

छारा के चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं हुईं। कैरम बोर्ड व शतरंज आदि इंडोर गेम्स में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेलों के प्रति विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाने के लिए प्राचार्य डॉ.

सुशील दलाल ने स्वयं शतरंज प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्राध्यापकों ने भी विद्यार्थियों के साथ विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। सोमवार को दौड़, लंबी कूद और ऊंची कूद आदि आउटडोर प्रतियोगिताएं होंगी। प्रतियोगिताओं के फाइनल परिणाम सोमवार को ही घोषित किए जाएंगे।



झज्जर। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए मुख्यातिथि एवं शिक्षक।

फोटो: हरिभूमि

प्राचार्य कंवर सिंह मुख्यातिथि के साथ मिलकर बच्चों के सबसे बड़े चीयरलीडर की भूमिका निभाई। प्राथमिक और उच्च माध्यमिक विभागों के विद्यार्थियों के लिए रेस, रिले रेस, शॉट पुट, बैलून फाइटिंग, फ्रॉग जंप, थ्रो-लैंग रेस और पार्टनर

ऑन बैक रेस जैसी प्रतियोगिताएं हुईं। विजेता खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर हेड मास्टर सत्यवान, प्रवक्ता कृष्ण कुमार, टीजीटी शारीरिक शिक्षा मोनिंदर सिंह, खेल शिक्षिका सुदेश कुमारी व अन्य मौजूद रहे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

बहादुरगढ़ : सुजमल वाली गली, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के	रु. 2500/-
10X 8 से.मी	अन्तर के पृष्ठ पर	रु. 3000/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज के लिए काई रहे लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400

बहादुरगढ़ : सुजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

एशियन फुटवियर्स को राजेंद्र जिंदल ने बनाया स्पोर्ट्स फुटवियर ब्रांड

राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस पर विशेष

फॉरन ट्रेड एगिमेंट से बढ़ेगा फुटवियर एक्सपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

एशियन फुटवियर्स की शुरुआत 30 साल पहले उधार के पैसों से चलाई गई एक छोटी वर्कशॉप के रूप में हुई थी। राजेंद्र जिंदल की यह कंपनी आज देश का अग्रणी फुटवियर ब्रांड बन चुकी है और प्रतिमाह 15 लाख से अधिक जोड़ी जूतों का उत्पादन करती है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इनके ब्रांड एम्बेस्डर हैं। राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस की पूर्व संध्या पर एशियन फुटवियर्स में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कंपनी ने वोक्ल फॉर लोकल के मायने को शब्दों में बताने के बजाय अपने कार्यशील शॉप फ्लोर पर प्रदर्शित किया।



उन्होंने कंपनी की इन-हाउस आरएंडडी से लेकर लैब का अवलोकन करवाया। राजेंद्र जिंदल ने बताया कि उन्होंने एक वर्कशॉप उधार के पैसों से शुरू की थी। उन्होंने बताया कि अनेक छोटे उद्योगों के सहयोग से आज कंपनी देश का बड़ा ब्रांड बन गया है। एमएसएमई भारत की जीडीपी में



बहादुरगढ़। एशियन फुटवियर्स में जूते बनाने में जुटे कर्मचारी और इंडस्ट्री को लेकर जानकारी देते राजेंद्र जिंदल।

असल लाभ ग्राहक को मिला है। पूरे देश के नॉन लेंडर फुटवियर उत्पादन में राजेंद्र जिंदल ने बताया कि बहादुरगढ़ एशिया का सबसे बड़ा फुटवियर क्लस्टर है, जो देश भर की 63 फीसदी नॉन लेंडर जूते की आपूर्ति करता है। यहां जूते-चप्पल, सैंडल और फैसी डिजाइन वाली जूतियां बनाई जाती हैं।

न्यूज डायरी



बादली में मेजर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि
बहादुरगढ़। बादली के चौधरी धीरपाल राजकीय महाविद्यालय में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। विद्यार्थियों को खेलों से जुड़ने, फिट रहने तथा स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। प्राचार्य आनंद काद्याण ने महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों के साथ मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यापाण और पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनके महान खेल जीवन एवं राष्ट्र के प्रति योगदान को स्मरण किया। विद्यार्थियों के लिए फिटनेस वॉलेंट आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न शारीरिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी फिटनेस एवं क्षमता का प्रदर्शन किया। कई मनोरंजक खेल आयोजित की गईं। आनंद काद्याण ने मेजर ध्यानचंद के जीवन, उनकी अद्भुत हॉकी प्रतिभा, अनुशासन एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। डॉ. रवि शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए सभी से खेलों को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

बहादुरगढ़ व कबलाना में इशांत का सम्मान

बहादुरगढ़। एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाने वाले गांव खरमाण निवासी इशांत का शनिवार को कबलाना के राजकीय स्कूल के साथ ही विधायक राजेश जून द्वारा अभिनंदन किया गया। विदित है कि इशांत ने महज 19 साल 6 महीने 1 दिन की उम्र में 54 हजार 460 बार राधा नाम लिखकर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया है। इस उपलब्धि के लिए उन्हें वैंड मास्टर की उपाधि से नवाजा गया है। इशांत ने 8 जून से 29 जून तक लगातार 21 दिनों की अवधि में नीले पेज से 60 कागजों पर 54 हजार 460 बार राधा नाम लिखा। उसकी इस मेहनत और रिकॉर्ड को 6 जुलाई 2026 को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

जन्माष्टमी पर लोकआस्था ही नहीं भक्ति का केंद्र बन जाता है मथुरा



धार्मिक स्थल / वीणा गौतम

भाद्रपद या भादों का महीना आते ही देश के नक्शे पर एक शहर भक्ति और भावना का संगम, आस्था का केंद्र बन जाता है, यह शहर है- भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा। भादों महीने में, जो कल ही आरंभ हुआ है, मथुरा की गलियां अपने आपमें तीर्थ बन जाती हैं। हर गली में मौजूद अनेक मंदिरों वाला यह शहर एक विशाल पूजा स्थल में बदल जाता है।

पूरा शहर हो जाता है कृष्णमय: जन्माष्टमी के दिन तो मथुरा में पूरी रात देश के कोने-कोने से आए लाखों तीर्थयात्री भक्ति का जागरण करते हैं। सिर्फ जन्माष्टमी के दिन ही नहीं, पूरे भादों महीने में यहां देश ही नहीं बल्कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए तीर्थयात्रियों की उत्सवमयी मौजूदगी उल्लास गुंजता रहता है। हालांकि साल के बाकी दिनों में भी मथुरा में तीर्थयात्रियों की भरमार रहती है, लेकिन जन्माष्टमी की तो बात ही अलग होती है। इस दौरान तो जैसे पूरे महीने यह पूरा शहर कृष्णमय उत्सव का साक्षी बन जाता है।

पर्यटकों के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था: इस साल कृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर 2026 को पड़ रही है और एक पखवाड़े पहले से ही तीर्थयात्रियों की ठहरने वाली सभी जगहें फुल हो चुकी हैं। लेकिन यह बात भी है कि इस शहर में तीर्थयात्रियों को ठहरने की कभी समस्या नहीं रहती, क्योंकि एक दशक पहले प्रचलित हुए, घर पर पर्यटकों को ठहराने की नीति के कारण मथुरा में बहुत सारे लोग इस मौके पर अपने घरों को तीर्थयात्रियों के लिए खोल देते हैं। इस तरह पर्यटकों को सुविधाजनक 'होम स्टे' का आनंद भी मिल जाता है। इसलिए उमड़ता है जन्मसैलाब: भादों के महीने में यहां

कंधे पर टंगा बैग अब सिर्फ किताबों/जरूरी सामानों का कैरियर नहीं रहा। अब बैगपैक भी यंगस्टर्स का स्टाइल स्टेटमेंट बन गए हैं। स्टाइल और कंफर्ट के कॉम्बो वाले ये बैगपैक्स आज के यंगस्टर्स को खूब भा रहे हैं।

यंगस्टर्स को भा रहे हैं बैगपैक के नए स्टाइल



न्यू ट्रेंड
संध्या सिंह

कोलेज, कोचिंग, ऑफिस या छोटी-छोटी ट्रेवलिंग, आज के अधिकांश युवा बहुत मूवमेंट करते रहते हैं। ऐसे में बैगपैक अब सिर्फ किताबें ढोने वाला बैग नहीं रह गया, बल्कि युवाओं की रूटीन लाइफस्टाइल, जरूरतों और पर्सनैलिटी का अहम हिस्सा बन चुका है। समय के साथ बैगपैक का स्वरूप भी बदला है। अब युवा ऐसा बैगपैक चाहते हैं, जो स्टाइलिश दिखने के साथ-साथ लैपटॉप की सुरक्षा करे, मोबाइल चार्ज करने में मदद करे, बारिश से सामान को बचाए और भीड़-भाड़ में चोरी से भी सुरक्षित रहे। यही कारण है कि बाजार में 'स्मार्ट बैगपैक' की मांग लगातार बढ़ रही है।

जरूरतों के हिसाब से बदलता बैगपैक: एक समय था, जब बैगपैक का मतलब केवल दो बड़े कंपार्टमेंट और पट्टियां हुआ करता था। लेकिन इस डिजिटल युग में विद्यार्थियों की जरूरतें बदल गई हैं। अब कॉलेज जाने वाले अधिकांश युवाओं के बैग में किताबों के साथ-साथ लैपटॉप, टैबलेट, चार्जर, पावर बैंक, ईयर बड्स, पानी की बोतल और कई अन्य जरूरी सामान भी होता है। इन्हीं बदली जरूरतों को देखते हुए कंपनियां ऐसे

बैगपैक बना रही हैं, जो सुविधाओं से भरपूर और देखने में बेहद स्मार्ट हों।

मल्टी कंपार्टमेंट डिजाइन: आज के आधुनिक बैगपैक की सबसे बड़ी खासियत उसका मल्टी कंपार्टमेंट डिजाइन है। इसमें लैपटॉप के लिए अलग कुशनयुक्त हिस्सा, टैबलेट पॉकेट, चार्जर और केबल के लिए छोटे पॉकेट, पेन होल्डर और पानी की बोतल रखने के लिए अलग-अलग जगहें होती हैं। इससे सामान व्यवस्थित रहता है और जरूरत पड़ने पर तुरंत मिल जाता है।

वाटर रेजिस्टेंट फीचर: बारिश के मौसम को देखते हुए वाटर रेजिस्टेंट फैब्रिक वाले बैगपैक तेजी से लोकप्रिय हुए हैं। इसमें अचानक बारिश होने पर भी लैपटॉप, नोटबुक और दस्तावेज सुरक्षित रहते हैं। कुछ बैगों के साथ रेन कवर भी मिलता है, जिससे अतिरिक्त सुरक्षा मिल जाती है। जिन छात्रों को रोज लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, उनके लिए यह बेहद उपयोगी होता है।

एंटी-थेफ्ट फीचर: बैगपैक में अब एंटी-थेफ्ट फीचर भी जोड़े जा रहे हैं। छिपी हुई जिप, पीछे की ओर सीक्रेट पॉकेट, मजबूत लॉकिंग सिस्टम, यात्रा के दौरान चोरी या जोखिम को कम करते हैं। मेट्रो, बस और रेलवे स्टेशन जैसी भीड़भाड़ वाली जगहों पर यह सुविधा विशेष रूप से काम आती है।

चार्जिंग की सुविधा: टेक्नोलॉजी ने बैगपैक को और भी स्मार्ट बना दिया है। कई बैगों में यूएसबी चार्जिंग पोर्ट दिया होता है, इसमें अंदर पावर बैंक रखकर बाहर लगे पोर्ट से मोबाइल चार्ज किया जा सकता है। ऐसे में लगातार मोबाइल और इंटरनेट पर निर्भर युवाओं को बहुत सुविधा होती है। ये बेफिक्र होकर यात्रा कर सकते हैं।



स्मार्ट बैगपैक में हों ये फीचर्स: आपके बैगपैक में ये फीचर्स जरूर होने चाहिए, तभी वो स्मार्ट लगेंगे।

- इसमें लैपटॉप कंपार्टमेंट कुशनयुक्त और सही आकार का हो।
- वाटर रेजिस्टेंट फैब्रिक के साथ रेन कवर जरूरी है।
- एंटी-थेफ्ट पॉकेट और मजबूत जिप, सुरक्षा बढ़ाती है।
- गद्देदार शोल्डर स्ट्रैप और बैक सपोर्ट आरामदायक होने चाहिए।
- कम से कम 20 से 30 लीटर क्षमता वाला बैग कॉलेज छात्रों के लिए पर्याप्त रहता है।
- यूएसबी चार्जिंग पोर्ट जैसी सुविधा उपयोगी हो सकती है, लेकिन गुणवत्ता को प्राथमिकता दें। इस मामले में याद रखें कि खाली बैग का वजन जितना कम होगा, वह उतना ही बेहतर होगा।



जन्माष्टमी के पावन महीने भाद्रपद के आते ही मथुरा सिर्फ एक शहर नहीं रहता, बल्कि लोकआस्था का उल्लासमय केंद्र बन जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी की आहट के साथ वहां की गलियां, मंदिर और घाट भक्ति के रंग में रंग उठते हैं। आधी रात जन्मोत्सव के उस अलौकिक क्षण का साक्षी बनने देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालु यहां उमड़ते हैं। यहां की विलक्षण मय्यता-दिव्यता पर एक दृष्टि।

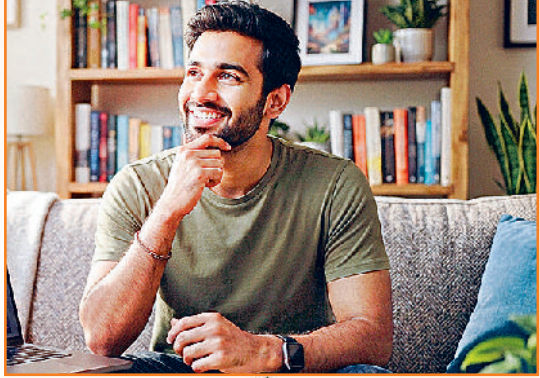


देवकी-वासुदेव को कारागार की सजा, आधी रात में श्रीकृष्ण का जन्म और फिर नवजात शिशु को लेकर वासुदेव का यमुना पार करके गोकुल पहुंचना... हजारों साल से यह कथा भारतीय जनमानस में इस कदर रची बसी है कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु, हर जगह श्रीकृष्ण की मौजूदगी देखता है। यही कारण है कि मथुरा आने वाले तीर्थयात्री सिर्फ मंदिर का दर्शन नहीं करते। वे पूरी मथुरा नगरी में अपने होने की अनुभूति करते हैं। जहां-जहां कृष्ण की मौजूदगी के वृत्तांत मौजूद होते हैं, पहुंचकर भक्ति, भावना से हम सराबोर हो जाते हैं। जन्माष्टमी की आधी रात, जैसे ही 12 बजते हैं, मंदिरों में गुंजती

सिने ट्रेंड मनोज प्रकाश

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों से भक्ति गीत-संगीत का नाता रहा है। इनमें भी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति पर केंद्रित या उनका बाल्य-किशोर लीलाओं के इर्द-गिर्द बड़ी संख्या में फिल्मी गीत रचे जाते रहे हैं और लोगों में भी इनके प्रति दीवानगी खूब देखने को मिलती है। बॉलीवुड में जब श्रीकृष्ण के विभिन्न नाम और उनकी लीलाओं पर आधारित गीतों का चलन आरंभ हुआ तो ये इतने लोकप्रिय हुए कि मंदिरों और पूजा-स्थलों में भी गाए-बजाए जाने लगे। बहुत लोकप्रिय हुए ये गीत: श्रीकृष्ण पर केंद्रित कई सुधमुर गीतों को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज में गाकर बहुत लोकप्रिय बना दिया। ये गीत श्रोताओं के मन को छूते हैं, आत्मा में उतरते हैं। इन गीतों को सुनकर अनायास ही मन में श्रीकृष्ण की मोहक छवियां उभरती हैं। सन 1972 में आई फिल्म 'अमर प्रेम' का गीत 'बड़ा नटखट है रे कृष्ण कन्हैया, का करे यशोदा मैया' आनंद बख्शी की कलम से निकलकर हर उस मां के लिए लोरी गीत बन गया, जो गोद में लिए बालक में बाल कृष्ण का रूप देखती हैं। 1978 की फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' का गीत 'यशोमती मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गोरी में क्यों काला' में बाल कृष्ण की नटखट अदाएं इस तरह से समाहित हैं कि लगता है जैसे नंदलाला हमारे सामने ही मां को उलाहना दे रहे हैं। इसी तरह लता मंगेशकर का गाया फिल्म 'संतोष' (1989) का गीत 'बंसी वाले ने घेर लई, अकेली जो पनिया भरन में गई' बृज क्षेत्र के साथ ही पूरे देश में लोकगीत की तरह खूब लोकप्रिय हुआ। फिल्म 'शागिर्द' (1967) का 'कान्हा आन पड़ी मैं तेरे द्वार', 'जॉनी मेरा नाम' (1970) का 'मोसे मोरा श्याम रूठा... छुप छुप मीरा रोए, दर्द न जाने कोई' जैसे कृष्ण भक्ति के रंग में रंगे कई गीतों को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज देकर अमर बना दिया। ये आज भी पूरे मन से सुने जाते हैं। **भक्ति-भाव से भरे कृष्ण गीत:** भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति पर केंद्रित कई हिंदी फिल्मी भजन भी खूब सुने सुनाए जाते हैं। वर्ष 1952 की फिल्म 'बैजू बावरा' में मोहम्मद रफी ने अपनी धीरे-धीरे आवाज में कृष्ण को याद करते हुए 'मन तड़पत हरि दर्शन को आंज' गाया था। इसे सुनकर श्रोता आज भी संभुमध हो जाते हैं। 1957 में आई फिल्म 'मिस मेरी' का गीत 'वृंदावन का कृष्ण कन्हैया सबकी आंखों का तारा, मन ही मन क्यों जले राधिका मोहन तो है

श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन किसी रुढ़िवादी परंपरा का नाम नहीं है, बल्कि जीवन जीने का एक व्यावहारिक और आधुनिक विज्ञान है। उनकी शिक्षाओं से जुड़ी ये बातें, आज के युवाओं को संतुलित, सफल और शांतिपूर्ण जीवन जीने की राह दिखाती है।



आज के युवा श्रीकृष्ण से सीखें सुकून भरी जिंदगी के सूत्र

जीवन प्रेरणा शिखर चंद जैन

भगवान श्रीकृष्ण केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक नहीं हैं, बल्कि वे एक कुशल मनोवैज्ञानिक, संकट प्रबंधक और लाइफ कोच भी हैं। आज की जेनरेशन यानी वह पीढ़ी जो इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साए में बड़ी हो रही है, एक और अभूतपूर्व अवसरों से घिरी है, तो दूसरी ओर मानसिक तनाव, अकेलेपन, 'फोमो' (फियर ऑफ मिसिंग आउट) और बर्नआउट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। तेज रफ्तार और तुरंत परिणाम चाहने वाली इस दौर के युवाओं के लिए हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र के मैदान में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता का उपदेश आज और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है।

हसल कल्चर का हल: आज के युवा 'हसल कल्चर' (रिजल्ट एंजाइटी) यानी रात-दिन भागदौड़ में उलझे रहते हैं। वे रील्स पर व्यूज, परीक्षाओं में टॉप करने या करियर में तुरंत मोटी सैलरी पाने के दबाव में लगातार जोते हैं। श्रीकृष्ण का सबसे प्रसिद्ध उपदेश है, 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचनः।' इसका अर्थ है कि तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने पर है, उसके फल पर नहीं। श्रीकृष्ण युवाओं को समझाते हैं कि जब हम परिणाम के बारे में बहुत अधिक सोचते हैं, तो हमारी पूरी ऊर्जा एंजाइटी में नष्ट हो जाती है और हम वर्तमान कार्य को पूरी निपुणता से नहीं कर पाते। युवाओं को परिणाम की चिंता छोड़कर अपनी पूरी ऊर्जा प्रोसेस पर लगानी चाहिए।

वैलिडेशन-ट्रोलिंग से निपटने का मंत्र: आज के युवाओं का एक बड़ा हिस्सा अपनी खुशी और आत्म-सम्मान को सोशल मीडिया के लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स की संख्या से मापता है। इस वजह से वे जरा-सी आलोचना या 'ट्रोलिंग' से टूट जाते हैं। गीता में श्रीकृष्ण 'स्थितप्रज्ञ' होने की बात करते हैं यानी ऐसा व्यक्ति, जो सुख और दुःख, मान और अपमान, प्रशंसा और निंदा में एक समान रहता है। युवाओं को यह

समझना होगा कि दूसरों के डिजिटल कमेंट्स या ओपिनियन उनके अस्तित्व को तय नहीं करते। **पीयर प्रेशर-आइडेंटिटी क्राइसिस का समाधान:** आज के दौर में 'ट्रेंड्स' के पीछे भागने की अंधी दौड़ है। युवाओं पर दोस्ती, परिवार और समाज की उम्मीदों का इतना दबाव होता है कि वे अपनी असली पहचान खो देते हैं। श्रीकृष्ण कहते हैं 'श्रैयान्वधर्मा विगुणः परधर्मात्स्वनुष्ठितात।' अर्थात् दूसरों के रास्ते पर चलकर पूर्णता हासिल करने से कहीं बेहतर है कि आप अपने खुद के स्वभाव और क्षमताओं को पहचानें, भले ही उसमें शुरुआत में कुछ कमियां ही क्यों न हों। दूसरों की नकल करके डॉक्टर, इंजीनियर या इन्फ्लुएंसर बनने के बजाय युवाओं को अपनी प्रतिभा को पहचानना चाहिए और खुद के प्रति वफादार रहना चाहिए।



सिचुएशनशिप को संभालने का तरीका: आधुनिक समय में रिश्ते बहुत जल्दी बनते और बिगड़ते हैं। श्रीकृष्ण का जीवन और उनकी शिक्षाएं सिखाती हैं कि प्रेम में 'आसक्ति' यानी पर्जसिवनेस के बजाय 'अनासक्ति' और निःस्वार्थ भाव होना चाहिए। श्रीकृष्ण ने राधा से प्रेम किया, लेकिन वे जीवन भर उनके साथ नहीं रहे, उन्होंने रक्मिणी से विवाह किया और अपने राजनीतिक व सामाजिक कर्तव्यों का भी पालन किया। वे सिखाते हैं कि किसी भी व्यक्ति या परिस्थिति पर इस कदर निर्भर मत हो जाओ कि उसके बदलने पर आपका जीवन ही ठहर जाए। जीवन में आगे बढ़ना ही सच्ची परिपक्वता है।

एंजाइटी पर नियंत्रण: आज की पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है ओवरथिंकिंग यानी अत्यधिक सोचना। श्रीकृष्ण गीता के छठे अध्याय में कहते हैं, 'बन्धुरात्मात्मनस्तस्य येनात्मेवात्मना जितः।' यानी जिस व्यक्ति ने अपने मन को जीत लिया है, उसका मन ही उसका सबसे अच्छा मित्र है। श्रीकृष्ण युवाओं को ध्यान, आत्म-नियंत्रण और सजगता के माध्यम से अपने भटकते हुए विचारों को नियंत्रित करने की सलाह देते हैं ताकि वे मानसिक शांति पा सकें। इस तरह श्रीकृष्ण युवाओं के सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शक हैं।

जन्माष्टमी आते ही श्रीकृष्ण की लीलाओं और कृष्ण भक्ति से जुड़े गीत खूब सुनाई पड़ने लगते हैं। हिंदी सिनेमा में भी श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित ऐसे अनेक गीत रचे गए हैं, जो हर किसी की जुबान पर चढ़े हुए हैं। ऐसे ही कुछ लोकप्रिय गीतों पर एक नजर।

कृष्ण-कन्हैया के रंग में रंगे बॉलीवुड के लोकप्रिय गीत



'अमर प्रेम' का गीत 'बड़ा नटखट है रे'



'खुदा' का गीत 'मव गया शोर सारी नगरी रे'



'ब्लाफ मास्टर' का गीत 'गोविंदा आला रे'



'सत्यम शिवम सुंदरम' का गीत 'यशोमती मैया से'

सबका प्यारा' आज भी जन्माष्टमी के अवसर पर सुना-गाया जाता है। मोहम्मद रफी की ही आवाज में फिल्म खानदान (1965) का गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला, तेरी राह तक बुजवाला, ग्वाल-बाल इक-इक से पूछे कहाँ है मुरली वाला रे' श्रीकृष्ण पर केंद्रित सबसे लोकप्रिय गीतों में से एक है।

गोविंदा पर केंद्रित उमंग भरे गीत: कृष्ण कन्हैया पर केंद्रित गीतों की बात हो और 'मटकी और गोविंदा' का जिन्न न हो, ऐसा कैसे हो सकता है भला। फिल्म 'बदला' (1974) में किशोर कुमार का गाया गीत 'शोर मच गया शोर, देखो आया माखन चोर', 'खुदा' (1982) का 'मच गया शोर सारी नगरी रे, आया बिरज का बांका संभाल तेरी गगरी रे' युवाओं को न सिर्फ जोश

में भरता है बल्कि कृष्ण की लीलाओं का इस तरह से बखान करता है कि मन में कन्हैया की शैतानियां हिलोरे लेने लगती हैं। ये गीत आज भी होली-जन्माष्टमी जैसे उत्सवों पर बजाए जाते हैं।

ऐसे ही 'ब्लाफ मास्टर' (1963) का गीत 'गोविंदा आला रे आला', 'ओह माइ गॉड' (2012) का 'गो गो गोविंदा', 'किसना : द वॉरर ओ पोएट' (2005) का 'वो किसना है' जैसे गीत भी खूब पॉपुलर हुए थे।

गोविंदा पर केंद्रित उमंग भरे गीत: कृष्ण कन्हैया पर केंद्रित गीतों की बात हो और 'मटकी और गोविंदा' का जिन्न न हो, ऐसा कैसे हो सकता है भला। फिल्म 'बदला' (1974) में किशोर कुमार का गाया गीत 'शोर मच गया शोर, देखो आया माखन चोर', 'खुदा' (1982) का 'मच गया शोर सारी नगरी रे, आया बिरज का बांका संभाल तेरी गगरी रे' युवाओं को न सिर्फ जोश



फिल्म 'लगान' का गीत 'राधा कैसे न जले'

श्रीकृष्ण पर केंद्रित गैर फिल्मी गीत भी हुए लोकप्रिय

श्रीकृष्ण पर केंद्रित लोकप्रिय फिल्मी गीतों के अतिरिक्त भजन गायकों और लोकगायकों द्वारा गाए कुछ गीत भी बहुत पॉपुलर हुए हैं। उदाहरण के तौर पर 'अरे झरपालों कन्हैया से कह दो', 'छोटी-छोटी मैया, छोटे-छोटे ग्वाल', हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की', अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम, 'राधे राधे जपो चले आरों बिहारी' जैसे गीतों का जिक्र किया जा सकता है। ये ऐसे गीत हैं जो घर-घर में और मंदिरों में खूब सुने-सुनाए जाते हैं।